आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 20.01.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड में जल्द लागू होगी समान नगारिक संहिता, राज्य मंत्रिमण्डल ने यूसीसी नियमावली को मंजूरी दी।
- विकासनगर उपजिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा– बाहरी दवाइयां लिखने वाले चिकित्सकों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा।
- उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां तेज़ी से जारी।
- प्रदेश में खेल अवस्थापनाओं के विकास और उनके संरक्षण के लिए सरकार जल्द ही एक नीति तैयार करेगी।

यूसीसी

राज्य मंत्रिमण्डल ने समान नागरिक संहिता– यूसीसी नियमावली को आज मंजूरी दे दी है। अब जल्द ही प्रदेश में यूसीसी कानून लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड से निकलने वाली गंगोत्री जिस तरह पूरे देश को सिंचित करती है, उसी तरह यूसीसी पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। यह कानून समाज में समानता और एकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी।

गौरतलब है कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि विषयों पर एक समान कानून लागू करना है। माना जा रहा है कि इससे विभिन्न धार्मिक और जातीय समुदायों में कानूनी एकरूपता स्थापित होगी।

स्वास्थ्य सुविधा विस्तार

जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर विकासनगर उपजिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। नवंबर 2024 में किए गए औचक निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने अस्पताल में सुधार की दिशा में कई अहम कदम उठाने का आदेश दिया था।

जिलाधिकारी के निर्देशों के परिणामस्वरूप पंजीकरण कक्ष और दवाई वितरण काउंटर की संख्या बढ़ाकर दो कर दी गई है, जिससे मरीजों को अब अधिक सुविधा मिल रही है और कतारों में लगने का समय कम हुआ है। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है, और अस्पताल के स्टाफ को नियमित सफाई बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया है।

इसके अलावा, अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए पहली जनवरी से मुफ्त भोजन की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। साथ ही सभी वार्डों और प्रसूति कक्ष में हीटर और गर्म पानी की केतलियां उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि मरीजों को आरामदायक उपचार मिल सके। इसके अतिरिक्त, बाहरी दवाइयां लिखने की शिकायतों पर कड़ा कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय के कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि यदि कोई चिकित्सक बिना कारण के बाहरी दवाइयां लिखेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में व्यवस्थाओं के सुधार के परिणामस्वरूप में नवजात शिशु देखभाल इकाई में अगस्त से नवंबर 2024 तक 128 बच्चों का इलाज किया गया है, जबकि इमरजेंसी कक्ष को भी व्यवस्थित किया गया है। ईएनटी कक्ष में अस्थायी तौर पर कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके।

पब्लिक स्पीक

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग साप्ताहिक कार्यक्रम पब्लिक स्पीक में आज रात साढे नौ बजे सड़क सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने पर परिचर्चा प्रसारित करेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अपर सचिव महमूद अहमद और परिवहन विशेषज्ञ अनिल छिकारा परिचर्चा के लिये हमारे स्टूडियो में मौजूद रहेंगे। श्रोता टेलीफोन नंबर 011–23 42 10 50 पर अपने प्रश्न पूछ सकते हैं।

राष्ट्रीय खेल–तैयारियां

उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां तेज़ी से जारी हैं। राज्य सरकार और खेल विभाग मिलकर इस आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। देहरादून, हल्द्वानी, ऋषिकेश, नैनीताल और पिथौरागढ़ जैसे शहरों में खेल स्थलों का निर्माण और सुधार कार्य लगभग पूरा हो चुका है। ओपन स्टेडियम, इंडोर एरिना और स्विमिंग पूल जैसी आधुनिक सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी कार्य 25 जनवरी तक पूरे कर लिये जांएगे। शासन–प्रशासन स्तर से खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए विशेष आवासीय सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। खेल स्थलों और आवासीय स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, और विभिन्न स्थानों पर मेडिकल टीमों को तैनात किया जाएगा, जिसमें एम्बुलेंस और आधुनिक चिकित्सा उपकरण शामिल होंगे।

पुलिस के अनुसार राज्य के उन्नीस स्थानों पर 44 खेल प्रतियोगितांए आयोजित की जानी हैं, जिसके लिये सुरक्षा व्यवस्था कर ली गई हैं।

राष्ट्रीय खेलों को लेकर राज्यभर में उत्साह है। आयोजन का प्रचार–प्रसार तेज़ी से किया जा रहा है, जिसमें होर्डिंग्स, रैलियां और सोशल मीडिया अभियान शामिल हैं।

खेल अवस्थापना विकास

प्रदेश में खेल अवस्थापनाओं के विकास और उनके संरक्षण के लिए सरकार जल्द ही एक नीति तैयार करेगी। यह नीति लेगेसी प्रोग्राम के तहत बनाई जाएगी, जिसका उद्देश्य खेल सुविधाओं का संरक्षित कर उनका सदुपयोग करना है। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए तैयार की गई सुविधाओं ने उत्तराखंड को खेल अवस्थापना के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया है। श्रीमती आर्या ने कहा कि राष्ट्रीय खेल के मद्देनज़र देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और रुद्रपुर समेत अन्य स्थानों में चल रहे सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्य जल्द ही पूरे होंगे।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने सदस्यों का प्रोफाइल अद्यतन करने की ऑनलाइन प्रक्रिया आसान कर दी है। आधार से अभिप्रमाणित खाता संख्या वाले सदस्य अपनी संबंधित जानकारी अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए अब दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बताया है कि इस संशोधन से तात्कालिक रूप से तीन लाख 90 हजार ऐसे सदस्यों को फायदा होगा, जिनके अनुरोध विभिन्न चरणों में संशोधन के लिए लंबित हैं। मंत्रालय ने बताया है कि संगठन के डेटाबेस में सदस्यों की व्यक्तिगत जानकारी की प्रमाणिकता अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें निर्बाध सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित होगा। एक अक्तूबर 2017 से पहले दिये गए खाता संख्या के मामले में डेटा अद्यतन के लिए नियोक्ता के प्रमाणन की ज़रूरत होगी।

मौसम

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी हिमालय, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी का अनुमान व्यक्त किया है। इस बीच, मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने आज उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है। इसके बाद, बाईस और तेईस जनवरी को राज्य के अनेक हिस्सों में बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार इन दो दिनों में राज्य के दो हजार पांच सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है।

मॉक ड्रिल

ऊधमसिंह नगर जिला आपदा प्रबंधन की ओर से भूकंप की मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान राहत और बचाव टीमों ने घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि आपदा को लेकर तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

वहीं, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी ने बताया कि मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य विभागों के अधिकारियों ने आपसी समन्वय का परिचय दिया।